Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 13-12-2006
Participants : Yadav Shri Ram Kripal,Dasmunsi Shri Priya Ranjan

an>

Title: Need to publish voters list in Urdu for the constituencies having 20% or more Muslim Electorates.

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही गंभीर और महत्वपूर्ण मामले की ओर सदन का ध्यान आकृट कराना चाहता हूं। भारत निर्वाचन आयोग के माध्यम से देश के सभी राज्यों को यह निर्देश है कि अगर किसी भााा को जानने वाले 20 प्रतिशत से ज्यादा मतदाता उस विधान सभा क्षेत्र में होंगे, तो वहां की मतदाता सूची उस भााा में छापेंगे। मगर दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि भारतीय निर्वाचन आयोग के मार्ग निर्देशनों को राज्य सरकारें फालो नहीं कर रही हैं। मैं खास कर उर्दू भााा के बारे में कहना चाहता हूं, जिसके जानने वाले इस देश में करोड़ों की संख्या में हैं। उर्दू जानने वाले मतदाताओं की उपेक्षा की जा रही है। उर्दू भााा में मतदाता सूची नहीं छपने से मतदाता मतदान करने से वंचित रह जाते हैं क्योंकि हिंदी में मतदाता सूची छपने के कारण या स्पेलिंग में गलती हो जाने के कारण उन्हें अपने नाम का पता नहीं चल पाता है। उत्तर प्रदेश सहित तीन राज्यों में विधान सभा चुनाव हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 3 करोड़ 62 लाख मुस्लिम मतदाता है। वहां पिछले सात सालों से उर्दू में मतदाता सूची नहीं छापी जा रही है। उत्तर प्रदेश ही नहीं, जिन राज्यों में निर्देश भी दिया गया है, वहां भी उर्दू में मतदाता सूची नहीं छापी जाती है। मेरे पास सूची उपलब्ध है। आप चाहेंगे तो मैं आपको सूची दिखा दूंगा।

अध्यक्ष महोदय : हम कुछ देखना नहीं चाहते हैं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम चाहते हैं कि आप बैठ जाएं।

श्री राम कृपाल यादव : बिहार में उर्दू द्वितीय भााा है। मैं समझता हूं कि बिहार में मुस्लिम मतदाताओं के साथ घोर अन्याय हो रहा है।

MR. SPEAKER: Cooperation with the Chair is a rare commodity!

... (*Interruptions*)

श्री राम कृपाल यादव : महोदय, मैं अपनी पूरी बात कहना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय :आपकी बात पूरी हो गई है। मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूं कि आप बैठ जाएं।

श्री राम कृपाल यादव : महोदय, मैं बैठ रहा हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार का और भारत निर्वाचनआयोग से अनुरोध करूंगा कि जहां उर्दू में मतदाता सूची नहीं छप रही है, वहां उर्दू में छापने के लिए निर्देश जारी करे।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रियरंजन दासमुंशी) : मैं इस सवाल को कानून मंत्री जी के ध्यान में लाऊंगा।

MR. SPEAKER: Nothing more is to be recorded. The hon. Minister has already responded to this issue.

(Interruptions) *

श्री रघुनाथ झा (बेतिया): महोदय, हमने मंत्री जी का उत्तर सुना नहीं है।

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : मैं इस सवाल को कानून मंत्री जी के ध्यान में लाऊंगा।

MR. SPEAKER: I hope that the hon. Ministers will not respond to non-permitted interventions.

… (*Interruptions*)